वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 84 | गुरुवार 18 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री की कुशलक्षेम पूछी, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राजकीय निवास स्थान पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। मिश्र ने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

जैन विश्व भारती में सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल का शिलान्यास समारोह

भौतिक विकास के साथ विचारों की समृद्धता से ही समग्र उन्नति मानवीय मूल्यों के उत्थान और विकास में संतों का महान योगदानः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सम्पूर्ण प्रदेश के लिए मंगलकारी होगा आचार्यश्री महाश्रमण का 2026 में एक वर्षीय योगक्षेम वर्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश की समग्र उन्नति का आकलन केवल भौतिक विकास से ही नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों में मानवीय मूल्यों और विचारों की समृद्धता से भी होता है। उन्होंने कहा कि भौतिकवाद से आध्यात्मवाद की ओर बढ़ने पर हमारे आचरण और विचार समाज के प्रति बदलते हैं और हम समाज, देश और राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य कर पाते हैं। शर्मा बुधवार को डीडवाना-कुचामन जिले के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती में सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल के शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के उत्थान एवं विकास में संतों का महान योगदान रहा है। भारत भूमि ने ऐसे लोगों को जन्म दिया है जो युग के साथ नहीं बहे बल्कि युग को अपने बहाव के साथ ले गए। आचार्यतुलसी ऐसे ही महापुरूष थे। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के जरिये मानव धर्म का व्यावहारिक स्वरूप लोगों के सामने रखा तथा समाज को अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह से मुक्त किया। शर्मा ने कहा कि आचार्यने भौतिकवाद की तरफ बढ़ते मानव को अध्यात्मवाद की तरफ मोड़ा। मानव समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जागरण करना उनके जीवन का परम लक्ष्य था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्यमहाप्रज्ञ का देश के हिंदी साहित्यकारों में प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहा कि आचार्यमहाश्रमण जी की सहजता एवं पवित्रता से उनमें महात्मा का दर्शन होता है। उनके आध्यात्मिक संरक्षण में जैन विश्व भारती विकास की ओर निरंतर गतिमान है। शर्मा ने कहा कि आचार्यमहाश्रमण जी द्वारा वर्ष 2026 में एक वर्षीय योगक्षेम वर्ष के लिए जैन विश्व भारती के पवित्र स्थान पर प्रवास करना सम्पूर्ण प्रदेश के लिए मंगलकारी होगा।

लायंस क्लब एलीट के सदस्यों ने मनाया मॉनसून फीस्टा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। लायंस क्लब मुरैना एलीट के सदस्यों ने इम्पीरियल गोल्फ रिसॉर्ट में एक विशेष मॉनसून फीस्टा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसून के मौसम का आनंद लेना और सामूहिकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और खेलों का आनंद लिया। आयोजन स्थल को मानसून के थीम पर सजाया गया था, जिससे वातावरण और भी खुशनुमा हो गया। लायंस क्लब एलीट की अध्यक्ष लॉयन भारती मोदी ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रमों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हमारी जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाएं और अपने समाज को हरा-भरा बनाएं।'' पूर्व अध्यक्ष इंजी.लॉयन नीता बांदिल ने कहा कि हमारे क्लब के सदस्य हमेशा एक दूसरे का साथ देते हैं और ऐसे आयोजनों से हमारा संबंध और भी मजबूत होता है। मॉनसून फीस्टा का उद्देश्य हमारे सदस्यों को एक मंच पर लाना और उन्हें एक यादगार समय देना है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का फूड फेस्टिवल था, जिसमें स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन शामिल थे। सभी ने भोजन का लुत्फ उठाया और एक दूसरे के साथ हंसी-मजाक किया।

चौमूं में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन

चौमूं. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चौमूंके सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के सानिध्य में बड़े ही धूम धाम से किया जा रहा है। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर जी में हो रहे सिद्ध चक्र महामंडल विधान के चतुर्थ दिन प्रतिष्ठाचार्य पं संनत कुमार जी के दिशा निर्देश अनुसार प्रातः अभिषेक शांति धारा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। शांति धारा करने का सौभाग्य जयकुमार राजेंद्र कुमार महावीर प्रसाद पदमचंद पाटनी को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात श्री 1008 सिद्ध चक्र विधान मंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ की पूजा की गई सौधर्म इंद्र एवं सभी इंद्र द्वारा मंगल पर अर्ध चढ़ाए गए कुबेर इंद्र को बुलाकर अपने सारे खजाने नगर वासियों के लिए खोलने की आज्ञा दी तत्पश्चात कुबेर इंद्र द्वारा पूरे नगर में फूलों एवं धन वर्षा की गई एवं बैंड बाजे द्वारा नगर में भारी उत्साह के साथ लोग आनंद विभोर हो गए। भागचंद राजेंद्र कुमारअशोक कुमार हीरालाल बड़जात्या को शाम की महा आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महा आरती भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि संपन्न हुए। संगीतकार सुनील एंड पार्टी द्वारा आरती एवं भजनों का जैन समाज के लोगों ने भारी ही भक्ति भाव से विभोर होकर भक्ति में लीन हो गए इन सभी कार्यक्रम के दौरान जैन समाज के वरिष्ठ नागरिक पदमचंद जैन निहालचंद चौधरी मोतीलाल पापड़ीवाल पारस कासलीवालचंदा देवी संगीता देवी रविता देवी अंतिम देवी निमिषा देवी आदिश्रावक-श्राविकाए मौजूद थी।

अनुसरण सागर जी महाराज के ससंघ का टोंक में मंगल प्रवेश

जैन साधुओं का हुआ आत्मीय मिलन

टोंक. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य अभिनंदन सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि 108 अनुसरण सागर जी महाराज ससंघ (चार पिछी) का बुधवार को प्रातःकाल श्री दिगंबर जैन नसिया में गाजेबाजे के साथ के भव्य मंगल प्रवेश हुआ। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान और कमल सर्राफ ने बताया कि इससे पूर्व मुनिसंघ मेहंदवास से विहार करते हुए डिपो तक पहुंचे जहां पर समाज के लोगों ने अगुवानी कर सवाई माधोपुर चौराहे होते हुए जैन नसिया पहुंचे। जहां पर विराजमान बालाचार्य मुनि निपुणनंदी जी महाराज के साथ सभी साधु संतों का आपस में आत्मय मिलन हुआ। मंगल प्रवचन के पश्चात आहारचार्य संपन्न हुई। समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता एवं धर्मेंद्र पासरोटियां ने बताया कि जैन नसिया में प्रतिदिन सिद्धचक्र महामंडल की आराधना चल रही है जिसमें काफी संख्या इंद्र इंद्रनिया बड़े भक्ति भाव से अर्घ्य समर्पित कर रहें है। प्रबंध कमेटी चातुर्मास के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया ने बताया कि शाम को प्रतिदिन आरती, प्रश्नमंच स्वाध्याय ,शास्त्रज्ञान आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। समाज के पवनकंटान ने बताया कि 20 जुलाई शनिवार को दोपहर में चातुर्मास कलश स्थापना का कार्यक्रम, 21 जुलाई रविवार को गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । इस मौके पर समाज के धर्मचंद मंडावर रिंकू बोरदा मनीष फागी अभिषेक बनेठा नरेन्द्र दाखियां विनोद सर्राफ पारस बहड़ अनिल सर्राफ आदि लोग उपस्थित थे।

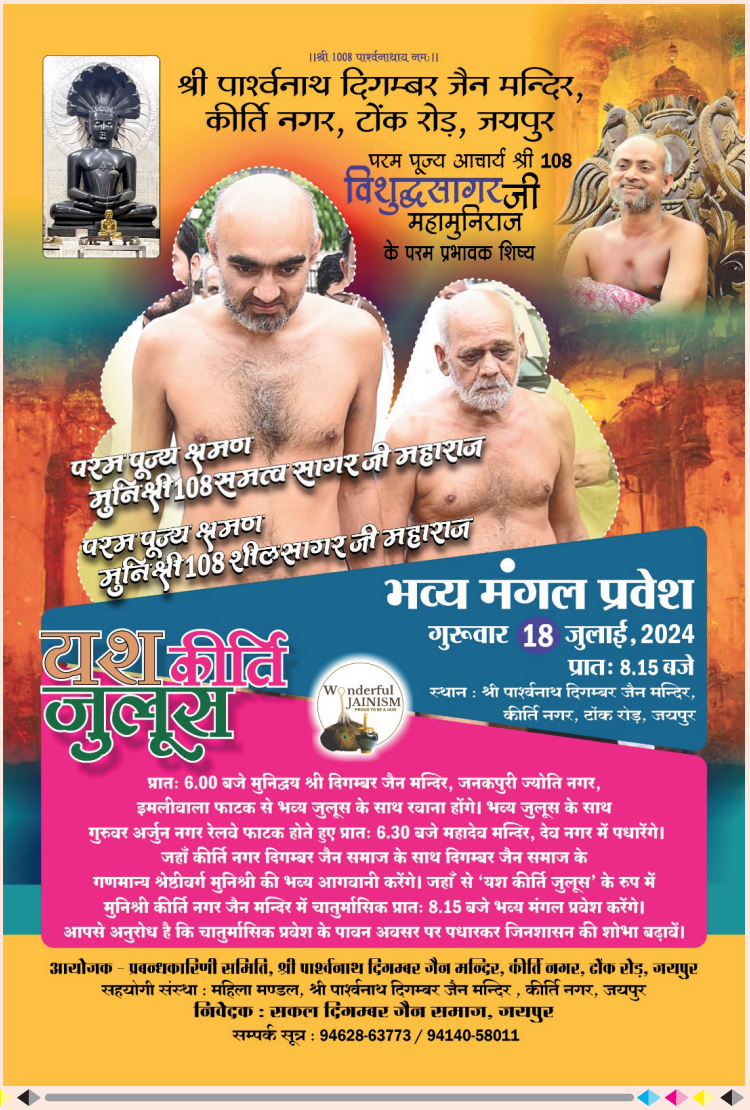

जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज का मंगल प्रवेश 21 को

मंगल कलश स्थापना एवं मंगल प्रवेश की तैयारियां जोरों पर

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के द्वारा आचार्य अभिनन्दन सागर महाराज के शिष्य जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज ससंघ का 21 जूलाई को निवाई में मंगल प्रवेश होगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज ससंघ विहार करते हुए 21 जूलाई को निवाई की धरा पर 2024 का मंगल चातुर्मास के लिए आगमन होगा। जौंला ने बताया कि रविवार को सुबह मंगल प्रवेश जुलूस, ध्वजारोहण, दोपहर में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह, गुरु पूर्णिमा महोत्सव सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज टोंक से मंगल विहार करते हुए सोहेला बरुणी होते हुए निवाई आएंगे। जैन मुनि के मंगल प्रवेश के स्वागत के लिए स्वागत द्वार लगाएं जाएंगे। जिनकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। जौंला ने बताया कि वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ 21 जूलाई को ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। समारोह में समस्त क्रियाएं पण्डित कपिल शास्त्री श्री महावीरजी द्वारा सम्पन्न करवाई जाएगी।

गजों बाजो के साथ माताजी का भव्य मंगल प्रवेश

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य 105 आर्यिका श्री विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्रमति माताजी गरिमा मति माताजी करण मति माताजी का आज चातुर्मास हेतु भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रातः पिंडारमा नगर से विशाल जन समूह के साथ माताजी का मंगल विहार हुआ। नौगामा नगर के अस्पताल चौराहे से माता जी का बैंड बाजो के साथ महिला मंडल बहु मंडल की महिलाएं मंगल कलश लिए हुए जैन पाठशाला के छात्र जैन धर्म ध्वज पचरंगी झंडा एवं हाथों में स्वागत की तकतिया लिये जैन पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों का बैंड के मधुर स्वर लहरों के साथ अगवानी की गई इस अवसर पर जयपुर से पधारे हुए लॉन्ग मैन आकर्षण का केंद्र था। विशाल शोभायात्रा 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर पहुंची जहां पर माताजी द्वारा भगवान के दर्शन किए गए इस अवसर पर संपूर्ण नगर में तोरण द्वार सजाए गए थे। घरों के बाहर रंगोलिया बनाई गई थी महिला केसरिया वस्त्रो में एवं पुरुष सफेद वस्त्रो में शोभा यात्रा में चल रहे थे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थी संपूर्ण नगर में खुशियों का माहौल था। अन्यत्र समाज द्वारा हाथ जोड़कर अभिवादन किया जा रहा था । महिलाएं गरबा नृत्य करते हुए शोभायात्रा आदिनाथ मंदिर पहुंची जहां पर विशाल पंडाल में माता जी का आगमन हुआ। इस अवसर पर बाहर से पधारे हुए एवं पाटीदार समाज वैष्णव समाज ब्राह्मण समाज सुथार समाज द्वारा आचार्य श्री की तस्वीर का अनावरण किया।

वेद ज्ञान

आचार विचार का अर्थ

सादा जीवन, उच्च विचार का अर्थ यही है कि मनुष्य के स्वभाव में सादगी हो, लेकिन विचार उच्च होने चाहिए। जो व्यक्ति अपनी धन-संपदा, वैभव व ज्ञान का दिखावा करता है, वास्तव में वह महाअज्ञानी होता है। धन या ज्ञान से समृद्ध होने के बाद तो व्यक्ति का स्वभाव फल लगे वृक्ष की तरह हो जाना चाहिए। जिस तरह वृक्ष पर जब फल लगते हैं तो वह नीचे की ओर झुक जाता है, उसी प्रकार ज्ञान व धन प्राप्त करने के बाद मनुष्य को भी विनम्र हो जाना चाहिए। अपने जीवन में सादगी को अपनाना और तुच्छ विचारों का त्याग करना मनुष्य का महान गुण है, जबकि स्वयं पर गर्व या अभिमान करना उसका सबसे बड़ा अवगुण है। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने अहंकार व स्वार्थ को त्यागकर विनम्रता, त्याग और परोपकार जैसे गुणों को आत्मसात करे। किसी ने चाहे कितने ही शास्त्र क्यों न पढ़े हों, लेकिन जब तक वह उनके ज्ञान को अपने आचरण में नहीं उतारता है तो उसका शास्त्र पढ़ने का कोई फायदा नहीं है। मनुष्य का आचरण ही उसे महान बनाता है, क्योंकि अच्छे आचरण से उसमें उच्च विचार जन्म लेते हैं और ये विचार ही उसके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। हमारे मन-मस्तिष्क में जैसे विचार आएंगे, हमारे कर्म भी वैसे ही होंगे। बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध का जन्म राजवंश में हुआ था, लेकिन अपने आचार-विचार से वह एक शासक नहीं, बल्कि संन्यासी थे। वह अपने परिवार सहित सारा राजपाट त्यागकर युवावस्था में ही बोध और मोक्ष की तलाश में घर से निकल गए थे। महात्मा बुद्ध का कहना था कि सभी गलत कार्य हमारे मन से ही उपजते हैं। अगर मन परिवर्तित हो जाए तो गलत कार्य भी नहीं होंगे। हमारा मन ही हमें यहां-वहां भटकाता रहता है और वह कभी सही को गलत तो कभी गलत को सही साबित करता है। इसलिए जो व्यक्ति अपने मन को साध लेता है, वह कभी गलत कार्य नहीं करता। मनुष्य में विनय, सहिष्णुता, साहस, चरित्र-बल आदि गुणों का विकास होना अति आवश्यक है, क्योंकि इनके बिना उसका जीवन सफल नहीं हो सकता। जिस तरह भूमि की उर्वरता का पता बोए गए बीज से लगता है, उसी प्रकार व्यक्ति के आचार-विचार से उसकी कुलीनता का पता चलता है।

संपादकीय

'स्वदेशीकरण' का बड़ा लक्ष्य

बीते तकरीबन पांच साल में देश की रक्षा खरीद नीति में 'स्वदेशीकरण' का बड़ा लक्ष्य तय किया गया। भारत समेत किसी भी देश में ऐसे प्रयास करने के लिए पर्याप्त वजह होती हैं। यह महत्त्वपूर्ण है, खासकर एक बढ़ती असुरक्षा वाले विश्व में जरूरी हथियारों और उन्हें चलाने वाले प्लेटफॉर्मों पर अधिकतम नियंत्रण आवश्यक है। हथियारों पर विदेशी मुद्रा खर्च करने में कमी लाना एक और वांछित परिणाम है। इस बात की भी पर्याप्त वजह हैं कि यह माना जाए कि

घरेलू रक्षा क्षेत्र उन बेहतरीन क्षेत्रों में से एक है जो सरकार को घरेलू अर्थव्यवस्था में नवाचार बढ़ाने के लिए उत्साहित कर सकते हैं। इसके बावजूद रक्षा खरीद के स्वदेशीकरण को समय के साथ टिकाऊ बनाने के लिए निजी क्षेत्र को सही ढंग से साथ में जोड़ना होगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से हाल के दिनों में जारी आंकड़ों से यही संकेत मिलता है कि यह उस हद तक नहीं हो रहा है जिस हद तक वांछित है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक देश का घरेलू रक्षा उत्पाद पिछले दो वित्त वर्षों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है लेकिन निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बमुश्किल एक चौथाई है और यह 2017-18 के स्तर के आसपास ही था। कई लोगों ने ध्यान दिया है कि लार्सन ऐंड टुब्रो जैसी कंपनियों ने हाल के समय में अपना रक्षा कारोबार बढ़ाया है लेकिन आंकड़े बताते हैं कि निजी क्षेत्र की ओर से ऐसा विस्तार देश के रक्षा उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी बरकरार रख पाने भर के लायक है। रक्षा उत्पादन का अधिकांश हिस्सा रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों से ही आ रहा है। यह निश्चित नहीं है कि उनमें भारत को इस क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में ऊपर ले जाने की क्षमता है अथवा नहीं या फिर क्या वे ऐसा आंतरिक स्तर पर नवाचार कर सकते हैं कि जो न केवल सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़त दे बल्कि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसके प्रभाव को बढ़ाए। स्पष्ट है कि 'मेक इन इंडिया' की आकांक्षा है लेकिन हकीकत 'मेक इन पब्लिक सेक्टर' ही है। यदि स्वदेशीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र को सही मायने में मजबूत बनाना है तो उन क्षेत्रों को चिह्नित करना होगा जहां सरकार को बदलाव करने की आवश्यकता है। एक जरूरत यह है कि रक्षा कारोबार में भारतीय कंपनियों को निवेश का सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जाए। ऐसा तब हो सकता है जबकि सरकार इसके लिए जरूरी दिशानिर्देश जारी करे, ये दिशानिर्देश उचित और तार्किक हों और उनके साथ खरीद की प्रतिबद्धता भी जुड़ी हो। दूसरे देशों में निजी कंपनियां बड़ा निवेश करके प्रसन्न हैं क्योंकि वहां उन्हें आश्वस्ति है कि उनका निवेश बरबाद नहीं होगा। परंतु भारत में ऐसे भरोसे का अभाव है। एक बड़े ग्राहक वाले कारोबार में ग्राहक को विश्वसनीय खरीदार के रूप में देखे जाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होता है ताकि निवेश को गति मिले। देश में रक्षा निजी क्षेत्र के कुछ पहलुओं को अक्सर सफल बताया जाता है। इनमें छोटे और मझोले उपक्रमों की बढ़ती उपस्थिति एक है। इसमें स्टार्टअप भी शामिल हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पूर्वाग्रहों से भरी एआई भारत के लिए चुनौती-अवसर दोनों

एक शाम मैंने एलेक्सा (वॉइस असिस्टेंट) से कहा, ''श्रेया घोषाल की आवाज में धूम ताना गाना प्ले करो।'' हालांकि मैंने ये अनुरोध अंग्रेजी भाषा में किया था, लेकिन मेरे बंगाली लहजे से एलेक्सा गफलत में पड़ गई और कई कोशिशों के बाद भी गाना प्ले नहीं कर पाई। पर जब मेरे पार्टनर ने अपने अमेरिकी लहजे में गलत-सही उच्चारण से वही गाना प्ले करने को कहा, तो एलेक्सा तपाक से समझ गई। भारतीय यूजर्स को पूरी तरह पहचानने या उन्हें समझने में नाकाम एआई सिस्टम से जुड़े इस घटनाक्रम से मैं सकते में आ गया। और मुझे लगता है कि एआई क्रांति के दौर में ऐसा सोचने वाला इकलौता मैं ही नहीं हूं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक टेक्नोलॉजी है, जिसमें मशीन डेटा से सीखती और निर्णय लेती है। हालांकि कई बार एआई सिस्टम पक्षपातपूर्ण निर्णय लेते हैं और अपने पूर्वाग्रहों के साथ समस्याएं खड़ी कर सकते हैं। वहीं, एआई एथिक्स का उद्देश्य निष्पक्ष, सुरक्षित और लोगों के अधिकारों का सम्मान करने वाली टेक्नोलॉजी का निर्माण है। लेकिन जब एआई सबके लिए समान रूप से काम नहीं करती तो समस्याएं खड़ी कर सकती है, खासतौर पर भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के सामने। अपने इस आलेख की तैयारी के लिए जब मैंने ''स्टेबल डिफ्यूजन एक्सएल'' (शब्दों से तस्वीर तैयार करने वाला एआई मॉडल) से कुछ तस्वीरें तैयार कीं, तो भारतीय संदर्भ में इसने साफ-साफ भेदभाव का उदाहरण सामने पेश कर दिया। उच्च शिक्षित लोगों या ज्यादा वेतन पाने वालों के प्रस्तुतिकरण में इसने बमुश्किल ही महिलाओं को चित्रित किया, साथ ही अशिक्षित और दिहाड़ी मजदूरी करने वालों को एआई मॉडल ने बहुत सांवला दिखाया। इस तरह के पूर्वाग्रहों के मूल में दरअसल एआई मॉडल के प्रशिक्षण में इस्तेमाल हुआ डेटा है, जो कि ज्यादातर अंग्रेजी में है और इंटरनेट पर मौजूद सामग्री से लिया गया है, जहां अमेरिकी दृष्टिकोण ही हावी है। एआई मॉडल्स, डेटा पर निर्भर है, इसलिए उच्च गुणवत्तापूर्ण डेटा का सावधानी से इस्तेमाल जरूरी है। पश्चिमी देशों में तैयार किए गए एआई मॉडल्स अक्सर भारतीय संस्कृति, भाषाई और सामाजिक आर्थिक विविधता के लिए जिम्मेदार नहीं होते हैं, जिससे उनकी प्रभावशीलता भी कम होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन के हालिया शोध में सामने आया कि चैटजीपीटी से जब अन्य देशों और संस्कृतियों के बारे में पूछा जाता है, तब भी वह मुख्य रूप से अमेरिकी मानदंडों व मूल्यों को दर्शाने के साथ उसे बढ़ावा देता है। भारत में सबको साथ में लेकर चलने वाली समावेशी एआई तैयार करना इसलिए भी कठिन है क्योंकि देश का राजनीतिक और सांस्कृतिक दायरा बहुत जटिल है, जिसमें 22 आधिकारिक भाषाएं और 1652 से ज्यादा बोलियां हैं। एक आर्टिकल में सामने आया है कि चैटजीपीटी जैसी कुछ टेक कंपनियां विवादों के डर से भारत में एआई टेक्नोलॉजी अपनाने में हिचक रही हैं। इसके कारण देश में इनोवेशन और लाभकारी एआई टेक्नोलॉजी को अपनाने की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं, जब बात ग्रामीण भारत में इसे अपनाने की हो तो एआई आधारित अनुवाद प्रणाली अंग्रेजी-केंद्रित डेटा पर प्रशिक्षित होने के कारण प्रासंगिक और बोलचाल के अनुवादों के साथ जूझती है। हालांकि इससे एआई मॉडल्स को अपनाने की गति में फर्क नहीं पड़ा है। आईबीएम की 2024 में आई रिपोर्ट के मुताबिक 59 प्रतिशत भारतीय कंपनियों ने पहले ही एआई को तैनात कर दिया है।

अविजित घोष,
(नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के पूर्व लेक्चरर)

क्षमा: आंतरिक शांति का मार्ग

नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, ''क्षमा का मतलब भूल जाना या नुकसान को नजरअंदाज करना नहीं है, बल्कि स्वयं को आक्रोश के बोझ से मुक्त करना है।'' यह कथन व्यक्तिगत और राजनीतिक प्रतिकूलताओं से निपटने के लिए मंडेला के दृष्टिकोण के सार को उजागर करता है। मंडेला के लिए क्षमा, कड़वाहट और घृणा के विनाशकारी चक्र से खुद को मुक्त करने का एक साधन है। अतीत के अन्यायों पर ध्यान देने के बजाय, उपचार और सुलह पर ध्यान केंद्रित करना एक सचेत विकल्प है, जिससे एक अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण को बढ़ावा मिलता है। 27 साल की कैद के बाद क्रोध और आक्रोश से क्षमा तक मंडेला की अपनी यात्रा, क्षमा की मुक्तिदायी शक्ति में उनके विश्वास का उदाहरण है। अपार पीड़ा के बावजूद मंडेला ने अपनी रिहाई के बाद प्रतिशोध के बजाय सुलह को बढ़ावा देना चुना। दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद से लोकतंत्र में बदलाव के दौरान मंडेला के नेतृत्व ने नेशनल हीलिंग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। सत्य और सुलह आयोग की स्थापना का उद्देश्य संवाद और क्षमा के माध्यम से अतीत के अत्याचारों को संबोधित करना था। क्षमा की वकालत करके, मंडेला ने एक गहरे विभाजित राष्ट्र को एकजुट करने में मदद की। रंगभेदी नेताओं सहित पूर्व विरोधियों के साथ जुड़ने की उनकी इच्छा एक नए, समावेशी दक्षिण अफ्रीका के निर्माण में महत्वपूर्ण थी। प्रतिशोध की अपेक्षा क्षमा पर मंडेला के जोर ने उन्हें एक नैतिक अधिकार दिया जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे था। एक शांतिदूत के रूप में उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा उनकी क्षमा करने की क्षमता से और बढ़ गई, जिससे दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित हुआ। मंडेला की क्षमा की विरासत, दुनिया भर में शांति और न्याय के लिए आंदोलनों को प्रेरित करती है। उनकी शिक्षाएँ संघर्षों के अहिंसक समाधान की वकालत करने वाले समकालीन नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रभावित करती हैं। अपार व्यक्तिगत पीड़ा के बावजूद मंडेला की क्षमा करने की क्षमता लचीलेपन और शक्ति का उदाहरण है। उनकी क्षमाशीलता कमजोरी का संकेत नहीं थी, बल्कि गहन आंतरिक शक्ति का प्रतीक थी। रंगभेद के खिलाफ मंडेला के अहिंसक प्रतिरोध में एक रणनीतिक उपकरण के रूप में क्षमा ने अपनी व्यावहारिक प्रभावशीलता दिखाई। इसने शांतिपूर्ण बातचीत और अंततः रंगभेद को खत्म करने में मदद की। मंडेला का क्षमा करने का दृष्टिकोण समकालीन शांति प्रक्रियाओं का मार्गदर्शन कर सकता है। रवांडा जैसे संघर्ष-पश्चात समाजों में, नरसंहार के बाद सुलह प्रयासों में क्षमा की भावना महत्वपूर्ण रही है। क्षमाशीलता, राष्ट्रों को ऐतिहासिक शिकायतों से आगे बढ़ने में मदद करती है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के अपने पड़ोसियों के साथ सुलह के प्रयास आपसी क्षमा और अतीत की गलतियों की स्वीकृति पर आधारित हैं। क्षमा ,प्रतिशोध और हिंसा के चक्र को तोड़ सकती है। उत्तरी आयरलैंड में अतीत में हुए अत्याचारों को माफ करने के प्रयास शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक रहे हैं। क्षमा करने से संघर्ष से प्रभावित व्यक्तियों को अपने जीवन को पुनः प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है। कोलंबिया के नागरिक संघर्ष में हिंसा के पीड़ितों को क्षमा पहल से आंतरिक शक्ति और सुकून मिला है। क्षमाशीलता विविध समाजों में समावेशिता और एकता को बढ़ावा देती है। रंगभेद के बाद दक्षिण अफ्रीका की समावेशिता की नीतियां मंडेला की क्षमाशीलता की नीति से गहराई से प्रभावित थीं। क्षमा खुले संवाद और समझ को बढ़ावा देती है। मध्य पूर्व में संघर्षरत पक्षों के बीच चल रहे संवाद क्षमा और आपसी सम्मान के सिद्धांतों द्वारा समर्थित हैं। मंडेला की क्षमा की अवधारणा अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों को बढ़ावा दे सकती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन अक्सर संघर्ष के बाद के क्षेत्रों में स्थिरता लाने के लिए सुलह और क्षमा की रणनीतियों को शामिल करते हैं। नेल्सन मंडेला का क्षमा को आक्रोश से मुक्ति का एक साधन मानना न केवल उनकी व्यक्तिगत शक्ति का प्रमाण है, बल्कि शांति और सुलह के लिए एक शक्तिशाली रणनीति भी है। समकालीन वैश्विक संघर्षों में, क्षमा को अपनाने से उपचार और एकता का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, हिंसा के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा दिया जा सकता है। मंडेला की विरासत हमें प्रेरित करती है, हमें याद दिलाती है कि सच्ची शांति का मार्ग क्षमा करने और एक साथ आगे बढ़ने के साहस में निहित है। किसी ने एक बार कहा था कि माफी का मतलब है इस विचार को छोड़ देना कि आपका अतीत अलग हो सकता था। जब हम माफ करते हैं, तो हम दुख और नाराजगी का बोझ छोड़ देते हैं जो हमें आसानी से दबा देते हैं और हमें एक पूर्ण और आनंदमय जीवन जीने से रोकते हैं। वास्तविक क्षमा कठिन और चिंतनशील कार्य है जिसे हम एक दिन में एक बार, एक बार में एक अनुभव का अभ्यास करते हैं। यह उपचार और शांति का मार्ग है जो स्वयं और हमारी भावनाओं के प्रति करुणा के साथ शुरू और समाप्त होता है। शायद ''क्षमा करें और भूल जाएं'' के बजाय, हमारी नई कहावत ''क्षमा करें और जिएं'' होनी चाहिए।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

मैत्री ट्रेड फेयर 2 से 4 अगस्त तक दुर्गापुरा जैन मंदिर के प्रांगण में

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के सानिध्य में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री द्वारा 2 से 4 अगस्त 2024 को प्रातः10 से रात्रि 9 बजे तक दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभु दुर्गापुरा में तीन दिवसीय फेयर का आयोजन करा जा रहा है। ये फेयर समाज की महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लगाया जा रहा है । संयोजक रितेश रीना ने बताया कि ये राखी पर लगाया जाने वाला जैन समाज का सबसे बड़ा फेयर है। इसमें एक ही छत के नीचे आपको राखी, लेडिज सलवार सुट,साड़ी, मसाले, आचार, बिस्कुट ,पापड़,धरेलु सामान, शुद्ध घी, मुखवास, सोंफ सुपारी, और भी कई सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध होगें। इस ट्रेड फेयर के मुख्य समन्वयक अतुल - निलिमा बिलाला, मुख्य संयोजक आलोक - विशाखा, रमेश - संगीता सोगानी, संयोजक रितेश - रीना अजमेरा, रविन्द्र - अलका अजमेरा, गौरव आदिका पाटनी को बनाया गया हैं।

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का मानसरोवर में मंगल प्रवेश 22 जुलाई को

20 को चूलगिरी-21 को भट्टारक जी की नसियां में

कालाखोह स्कूल में आर के मार्बल्स किशनगढ़ के अशोक पाटनी सहित जयपुर वासियों ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम मुनि 108 प्रणम्य सागर मुनिराज ससंघ कुण्डलपुर से लगभग 750 किलोमीटर का विहार करते हुए चातुर्मास के लिए जयपुर पधार रहे हैं। हम सभी जयपुर वासियों को यह सौभाग्य मिला है कि इस वर्ष के चातुर्मास में जयपुर में धर्म की गंगा का प्रभाव चारों तरफ होगा। मुनि श्री ससंघ बुधवार 17 जुलाई को प्रातः सिकन्दरा से मंगल विहार कर कालाखोह स्कूल पहुचे जहां पर आर के मार्बल्स किशनगढ़ के अशोक पाटनी, सुशीला पाटनी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जिला महामंत्री सुभाष बज, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, एडवोकेट राजेश काला सहित सैकड़ों लोगों ने मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर दौसा दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारियों ने भी श्री फल भेट कर दौसा आगमन हेतु निवेदन किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने सभी जयपुर वासियों से निवेदन किया कि हम सभी इतनी दूर से आए मुनिराज का सोमवार 22 जुलाई को भव्य ऐतिहासिक जुलूस के साथ मीरा मार्ग मानसरोवर में प्रवेश करवाएंगे। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि जुलूस की तैयारियों के सम्बन्ध में मंगलवार को रात्रि में समाज बन्धुओं की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में मंदिरों, युवा एवं महिला मण्डलों, जैन सोश्यल ग्रुपों व अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। सेठी ने बताया कि मंगल प्रवेश जुलूस की जोरशोर से चल रही है जिसमें स्कूल, पाठशाला के बच्चे बच्चियों, विभिन्न महिला मंडलों की सदस्याएं और कई आकर्षणों के साथ जुलूस महावीर नगर के दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर गायत्री नगर, विजयपथ होता हुआ आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर पहुंचेगा। इससे पूर्व मुनि श्री संघ दौसा, भण्डाना, मोहनपुरा, कानोता होते हुए शनिवार, 20 जुलाई को आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पहुंचेगें। मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में रविवार, 21 जुलाई को भट्टारक जी की नसियां में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाएगा। रविवार को सायंकाल मुनि श्री ससंघ भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचेंगे जहां उनका रात्रि विश्राम होगा।

अभिनेत्री सोनम पाटनी ने सालासर बालाजी के किए दर्शन, अपनी फिल्मों की सफलता की कामना की

लाडनूं. शाबाश इंडिया। जानी-मानी राजस्थानी व हिन्दी फिल्म अभिनेत्री लाडनूं की दिगंबर जैन समाज की सदस्य सोनम पाटनी ने सालासर बालाजी के दर्शन किए व अपनी आने वाली फिल्मों देवी- एक मां, छूमंतर,पचड़ा,ऐनी टाईम हेकड़ी व गैंगस्टर की सफलता की कामना की व आशीर्वाद लिया। अपने कुशल व मार्मिक अभिनय के लिए दर्शकों के मन पर छाप छोड़ रही सोनम पाटनी की इन दिनों लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज एप्प पर तीन फिल्में मायरो, मुकलावो व बिंदोरी सफलता के साथ चल रही है। सोनम इससे पहले बाबुल थारी लाडली, आपां ने तो बेटी बचाणी है, ये कैसा है दहेज, भीगे होंठ तेरे, देख्या ठा पड़सी, आ तो जोर की होई, जरी वाला आसमान, विशेष आदि राजस्थानी व हिंदी फिल्मों में अभिनय कर चुकी है। सोनम पाटनी ने कहा कि वे जब भी अवसर मिलता है सालासर हनुमान जी के दर्शन करने आती रही है उन्होंने बताया कि बालाजी के दर्शन से शक्ति और उत्साह का संचार होता है और उन्होंने कहा कि सालासर बालाजी की पृष्ठभूमि व महिमा पर एक व्यापक स्तर पर भव्य फिल्म का निर्माण होना चाहिए। सोनम पाटनी को गतवर्ष फिल्म बाबुल थारी लाडली में उनके अभिनय के लिए राजस्थान सीने अवार्ड्स द्वारा श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया था तथा वह मिसेज राजस्थान भी रह चुकी है। सोनम पाटनी अपने परिवार के सदस्यों के साथ सालासर बालाजी के दर्शन करने आई थी।

पौधारोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

स्वर्ण जयंती वर्ष मे एम आई गढ़ी परतापुर का अनुकरणीय कदम

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा संस्था के स्वर्णजयंती वर्ष आयोजनों के तहत स्थानीय नवयुवक मण्डल खेल मैदान मे वृक्षरोपण कार्य कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की आयोजन की अध्यक्षता सचिव रामभरत चेजारा ने की। मुख्य अतिथि सुभाष शर्मा थे तो विशिष्ट अतिथि कुलदीप वसीटा एवं विमलेश जैन थे। प्रारंभ में अनिता चेजारा ने सभी संकल्प कताओं का स्वागत कर उनके पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेम की सराहना की। आयोजन में कमलेश धीरावत, पूर्वांश वसीटा, मानसी कुमावत, नमन कुमावत, सुमन राठौड़, अनिता देवी सहित कई पर्यावरण प्रेमियों ने पौधारोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर रामभरत चेजारा ने कहा कि जितने अधिक हम पेड़ लगाएंगे उतने ही ऑक्सीजन के भंडार भरे रहेंगे और हमारी आनेवाली पीढ़ियां सुरक्षित रहेंगी। जी सी सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की इसी माह स्वर्ण जयंती आयोजनों में कुशलकोट में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नवजात शिशुओं के लिए बेबी कीट वितरित किए जायेंगे तथा कपड़े की थैली मेरी सहेली प्रोजेक्ट मे सिंगल यूज्ड प्लास्टिक प्रयोग पर रोक के लिए स्कूली छात्र छात्राओं की जनजागरण रैली निकाली जाएगी।

युवक-युवतियों का वैवाहिक परिचय सम्मेलन

जैन भजन गायन प्रतियोगिता आयोजित करने का लिया निर्णय। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की जयपुर जिला कमेटी का हुआ गठन

संजय जैन पाण्डया अध्यक्ष एवं सुभाष बज महामंत्री मनोनीत

मीटिंग में पर्यावरण संरक्षण एवं जीव दया पखवाड़ा मनाने का किया निर्णय

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश, सम्भाग, जोन कमेटियों के पदाधिकारी एवं विशिष्ट सदस्यों की सहकार मार्ग स्थित प्रदेश कार्यालय पर मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में समाज हित के कई निर्णय लिये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि युवा महासभा की जयपुर जिला कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया गया जिसके सम्बन्ध में मीटिंग में सर्व सम्मति से पदाधिकारी मनोनीत किए गए। जिला अध्यक्ष संजय जैन पाण्डया बनीपार्क, कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या बापूनगर, भारतभूषण जैन दुगार्पुरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष - पवन पाण्डया झोटवाडा, कमल सरावगी श्यामनगर, महामंत्री सुभाष बज को बनाया गया। शेष पदाधिकारियों को आगामी बैठक में मनोनीत करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही मीटिंग में समाज हित के निर्णय लिये गये जिसमें माह जुलाई में पर्यावरण संरक्षण (वृक्षारोपण) एवं जीव दया पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए मुख्य कमेटी का गठन किया गया जिसमें राकेश गोधा - मुख्य समन्वयक, भारतभूषण जैन - मुख्य संयोजक तथा सी एस जैन, तरुण जैन, आलोक जैन, पूनम तिलक को संयोजक बनाया गया।

वृक्षारोपण का मुख्य आयोजन शीघ्रातिशीघ्र

दुर्गापुरा स्कूल में करने तथा प्रत्येक जोन में एक आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इसी तरह से समाज की प्रतिभाओं के लिए जैन भजन गायन प्रतियोगिता का निर्णय लिया गया। माह अगस्त में जैन समाज की गायन के क्षेत्र में प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करवाने के लिए पांचों सम्भागो में जैन भजन गायन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात जयपुर जिला कमेटी के तत्वावधान में सेमी फाईनल एवं प्रदेश कमेटी के तत्वावधान में फाइनल राऊण्ड करने का निर्णय हुआ। इसके लिए मुख्य कमेटी का गठन किया गया जिसमें राजीव जैन मुख्य समन्वयक, पवन पाण्डया मुख्य संयोजक, संजय जैन पाण्डया, विनीत जैन चांदवाड, श्रीमती बरखा जैन को संयोजक बनाया गया है। युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थित प्रदेश कार्यालय पर जैन सूचना एवं सहायता केन्द्र का संचालन शीघ्रातिशीघ्र शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए मुख्य कमेटी का गठन किया गया जिसमें संजय जैन पाण्डया, पवन पाण्डया एवं मनीष सोगानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही मीटिंग में भाद्रपद मास में सामूहिक पूजा विधान का आयोजन करने, व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम शिविर शुरू करने, साधर्मी विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन करने सहित कई निर्णय लिये गये। मीटिंग का शुभारंभ णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक रूप से उच्चारण कर किया गया। संचालन महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। मीटिंग में बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

जियो सिनेमा पर पेरिस ओलंपिक 2024 का सबसे व्यापक कवरेज

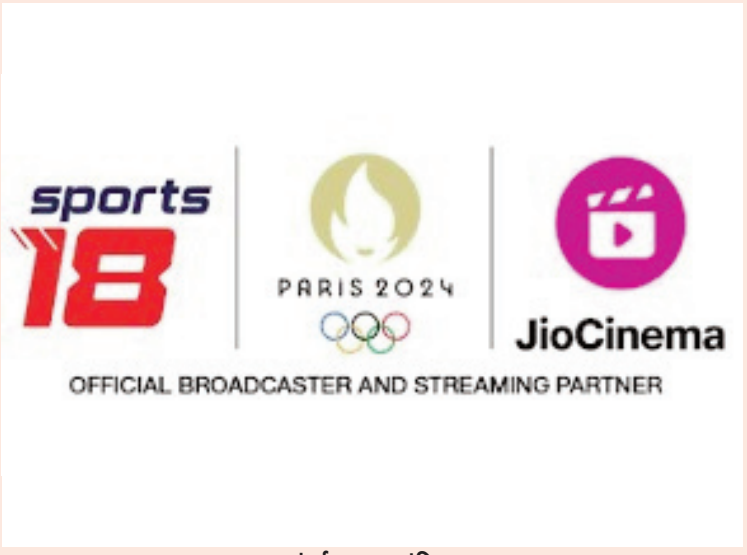

मुंबई. शाबाश इंडिया

वायकॉम 18, पेरिस ओलंपिक 2024 के आधिकारिक प्रसारण और डिजिटल साझेदार, ने भारत में अब तक का सबसे व्यापक ओलंपिक कवरेज प्रस्तुत करने की घोषणा की है। 26 जुलाई से शुरू होने वाला यह कवरेज जियो सिनेमा पर मुफ्त में उपलब्ध होगा। जियो सिनेमा पर 20 फीड्स के माध्यम से दर्शक अपने पसंदीदा खेल का आनंद ले सकेंगे। इस बार, ओलंपिक कवरेज 17 खेलों और 3 क्यूरेटेड फीड्स के साथ 4ङ में उपलब्ध होगी, जिसमें अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाएं शामिल हैं। भारतीय पदक क्षणों की लाइव कवरेज, खिलाड़ियों के परिवारजनों के साक्षात्कार और विशेषज्ञों की टिप्पणियों का भी प्रसारण किया जाएगा। वायकॉम 18 स्पोर्ट्स के कंटेंट हेड सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, हमारी प्रस्तुति दर्शकों को केंद्र में रखकर भारतीय एथलीटों की शानदार यात्रा दिखाने पर आधारित है। साक्षी मलिक, विजेंदर सिंह, सानिया मिर्जा, सोमदेव देववर्मन, मुरली श्रीशंकर और परुपल्ली कश्यप जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस प्रस्तुति का हिस्सा होंगे। जियो सिनेमा की ब्रांड और क्रिएटिव मार्केटिंग प्रमुख शगुन सेडा ने बताया, ''हमने दम लगा के हईशा! कैंपेन फिल्म के माध्यम से ओलंपिक की शक्ति को दर्शाने का प्रयास किया है, जो हर दर्शक को खेलों से प्रेरित करेगा।'' इस व्यापक कवरेज में भारतीय प्रशंसकों के लिए विशेष कार्यक्रम, भारतीय खिलाड़ियों की उल्लेखनीय प्रस्तुतियाँ और ओलंपिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएं भी शामिल हैं।

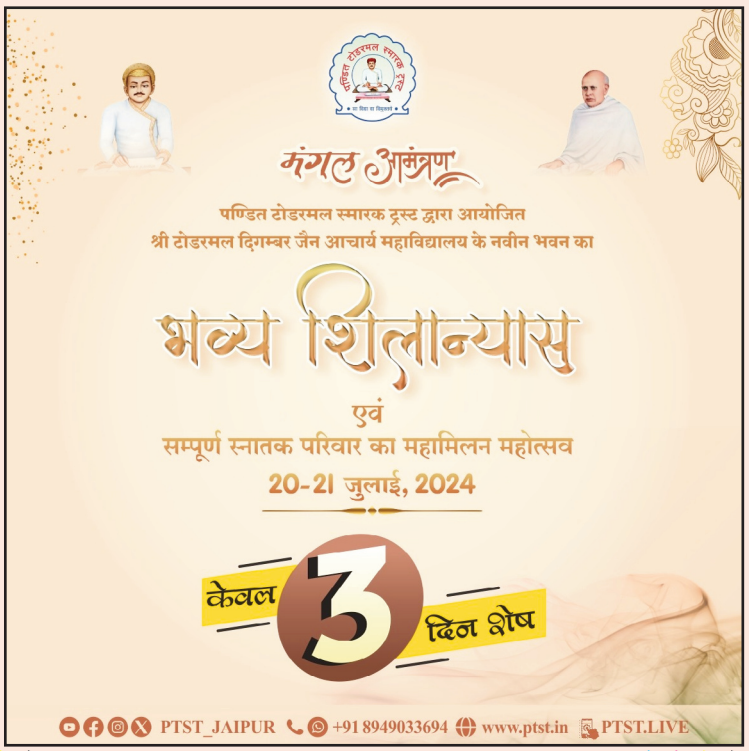

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 388 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन एवम लायंस क्लब अजमेर आस्था के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे ऑफिसर क्लब कचहरी रोड पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 388 रक्तवीरो ने अपने रक्तदान किया। संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि अल सुबह ही रक्त दानदाताओं ने अपने रक्तदान करना प्रारंभ कर दिया जवाहर लाल नेहरु, मित्तल हॉस्पिटल, जनाना हॉस्पिटल त्रिवेणी ब्लड बैंक की अनुभवी टीम ने रक्त का संग्रह किया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि संयोजक लायन अतुल पाटनी लायन पदम चंद जैन के संयोजन में लगाए गए शिविर का संभागीय अध्यक्ष लायन अमित प्रभा शुक्ला, डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ब्लड लायन शशिकांत वर्मा ने शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर यूनियन के महामंत्री मुकेश माथुर,सचिव मोहन चेलानी,अध्यक्ष राजीव शुक्ला, अरुण गुप्ता सहित यूनियन के पदाधिकारियों का क्लब द्वारा सम्मान किया गया अंत में लायन पदम चंद जैन ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष लायन रूपेश राठी,सचिव लायन राजेश चौधरी, कोषाध्यक्ष लायन हेमंत गट्टी, संयोजक लायन अतुल पाटनी, लायन पदम चंद जैन संभागीय अध्यक्ष लायन अमित प्रभा शुक्ला, डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ब्लड लायन शशिकांत वर्मा, समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन मुकेश ठाडा,लायन लोकेश अग्रवाल,लायन राकेश गुप्ता,लायन विनय लोढ़ा,लायन मुकेश कर्नावट,लायन संदीप गोयल,लायन कमल बाफना,लायन विनय लोढ़ा, लायन घेवर चंद नाहर आदि ने अपनी सेवाए दी।

जवाहर नवोदय विद्यालय में किया पौधारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम नांदला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में मंगलवार को एक कार्यक्रम में जिला वन अधिकारी सुगनाराम जाट ने प्राचार्य गिरिराज रेवाड एवं उप प्राचार्य हरदयाल मीणा, शिक्षकगणों व छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय प्रांगण में फल दायक एवं छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर जाट ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पौधारोपण तकनीक एवं देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने जिला वन अधिकारी की देखरेख में उचित ढंग से पौधारोपण किया एवं भविष्य में स्वयं के द्वारा लगाये गये पौधों की देखभाल हेतु प्रण लिया। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को अपने-अपने सदनो के आस-पास एवं खेल के मैदान के समीप पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उप प्राचार्य हरदयाल मीणा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं को पौधे वितरित किए गए।

भैंसलाना में विशाल पौधारोपण का हुआ आयोजन

करीब 1000 पेड़ पौधे लगा सुरक्षा का लिया संकल्प

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे में मंगलवार को विशाल पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।बलराम जाखड़ ने बताया कि पौधारोपण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महात्मा गांधी सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल,सुंडा के बास की सरकारी स्कूल एवम गोशाला सहित अनेक सार्वजनिक स्थानों पर करीब 1000 पेड़ पौधे समाजसेवी अमर भहड़ा के नेतृत्व मे लगाए गए वही ग्रामीणों द्वारा पौधारोपण कर देखभाल का संकल्प लिया। साथ ही कार्यक्रम में आए हुए ग्रामीणों ,स्कूल विधार्थियों को भी पेड़ पौधे वितरित किए गए। भामाशाह अमर भहड़ा ने कहा की पेड़ पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान दे।इस दौरान पूर्व सरपंच भीवाराम जाखड़,सरपंच प्रतिनिधि अनंत ऐचरा,प स स ममता गहनोलिया, हेमराज ऐचरा,द्वारकाप्रसाद पुजारी, सुंदर बिजारनिया ,दीपक पुजारी, तेजपाल फूलफ्फकर, कुलदीप, मीणा,सोहनदास स्वामी,रणजीत सिंह, विकास सोनी,विक्की बाबर स्कूल प्रिंसिपल भगवानसहाय नागा, सोमना शर्मा सहित पौधारोपण कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों,जनप्रतिनिधियों, स्कूल विधार्थियों ने भाग लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

कमला नगर डी ब्लॉक जैन मंदिर में उपाध्याय श्री ससंघ का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

अहिंसा परमो धर्म की जैन लहराती ध्वजा,बैंड-बाजों के साथ 17 जुलाई को मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी ससंघ का मंगल वषायोग हेतु आगरा के कमलानगर की पावनधरा पर विशाल शोभायात्रा के साथ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी मुनिराज ससंघ का ट्रांसयमुना कॉलोनी से सुबहः 7:00 बजे मंगल विहार कर बल्केश्वर शनिदेव मंदिर चौराहे पर बनी पंडाल पर पहुंचे। जहां उपस्थित भक्तों ने उपाध्याय संघ का पाद प्रक्षालन किया। इसके बाद यहाँ से उपाध्याय संघ ने भव्य शोभा यात्रा के साथ कमला नगर जैन मंदिर की ओर मंगल विहार किया। जहां उपाध्याय संघ की शोभायात्रा में आगरा नगर की कमलानगर शैली, शालीमार एनक्लेव शैली, कर्मयोगी एनक्लेव, गंगेगौरी शैली,सेक्टर 7, सेक्टर 4, पश्चिमपुरी, पत्तलगली,बेलंनगंज,कलाकुंज,मोती कटरा,कालिंदी विहार, ट्रांसयमुना कॉलोनी, छीपीटोला, शाहगंज,शैली की महिलाओं एवं बालिकाओं ने अलग- अलग परिधानों में नृत्य कर उपाध्याय संघ के साथ चल रही थी,और इसके अलावा दो बैंड और चार घोड़े,बग्गिया और बड़ी संख्या में गुरुभक्त नृत्य करते हुए चल रहे थे जिसमें महिलाएं, पुरूष, बालिकाएं एवं बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी गुरुवर की मंगल अगवानी को उत्सुक नजर आए। उपाध्यायसंघ के मंगल स्वागत के लिए पूरे कमला नगर के रास्तों को रंगोलियों से सजाया गया। जैसे-जैसे गुरूवर के चरण बढ़ रहे थे उसी दौरान लोगों का उत्साह भी चरम पर था। उपाध्याय संघ के मंगल प्रवेश की शोभायात्रा कमला नगर की विभिन्न मार्गो से होती हुई श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमलानगर पर पहुंचकर सौभाग्यशाली भक्तों ने 108 थालियों से पाद प्रक्षालन कर भव्य स्वागत किया, उपाध्याय संघ ने सर्वप्रथम जिनेन्द्र प्रभु के दर्शन किए। प्रभु दर्शन करने के पश्चात उपाध्याय संघ सरस्वती विद्या मंदिर मेमोरियल सेकेंडरी हाई स्कूल के हाल पर बने विशाल पंडाल पर पहुंचे। जहां विशाल धर्मसभा का आयोजन हुआ ।विशाल धर्मसभा का शुभारंभ ध्वनि म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ किया। साथ ही समाधिस्थ भारत गौरव आचार्यश्री विरागसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। इस दौरान आगरा की समस्त शैलियों के पदाधिकारियों ने उपाध्यायसंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया । साथ ही कमलानगर वषायोग समिति ने भी उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के समक्ष श्रीफल भेंट किए। उपाध्याय संघ के मंगल प्रवेश में टूण्डला,मैनपुरी, घिरोर,कुरावली, करहल, डबरा, मुरैना, ग्वालियर, धौलपुर, दिल्ली, आगरा की सकल दिगम्बर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीशप्रसाद जैन,सुनील जैन ठेकेदार रोहित जैन अहिंसा, यशपाल जैन, कमल जैन एडवोकेट,राजेन्द्र जैन एडवोकेट, अशोक जैन,शिखर चन्द जैन,पवन जैन,सुशील जैन,नरेन्द्र जैन मुकेश जैन रपरिया,कुमार मंगलम जैन, नीरज जैन जिनवाणी,शैलेन्द्र जैन, समकित जैन,अंकेश जैन,अंकुश जैन, दीपक जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,युवा जैन मिलन,ज्ञानोदय क्लब, विजय जैन निमोरब, अनिल आदर्श, राहुल जैन अहिंसा, रवीन्द्र जैन, ललित जैन, प्रवीन जैन पार्षद,आदि समेत सैंकडो गणमान्य जन मौजूद रहे उपाध्यायश्री के चरणों का प्रक्षालन का सौभाग्य पीएनसी परिवार को व जिनवाणी भेंट रजत जैन परिवार व श्रीमती ऊषा पाटनी परिवार को मिला मंच संचालन मनोज कुमार जैन बांकलीवाल ने किया।

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साढूमल के देवेन्द्र जैन झंडा एवं डॉ सुनील संचय बने ट्रस्टी

साढूमल. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी जी की प्रेरणा से स्थापित शताधिक वर्ष से संचालित श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साढूमल जनपद ललितपुर उत्तर प्रदेश के रिक्त ट्रस्टी पद पर विद्यालय के पूर्व प्रबंधक देवेन्द्र जैन झंडा वाले साढूमल एवं विद्यालय के पूर्व स्नातक युवा विद्वान डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर को विद्यालय का ट्रस्टी मनोनीत किया गया है। विद्यालय के ट्रस्टी सेठ सुधीर जैन झांसी के आवास पर ट्रस्ट कमेटी की आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से उक्त निर्णय लिया गया। इस मौके पर हेड ट्रस्टी डॉ सुनील सेठ भोपाल, ट्रस्टी सेठ सुधीर जैन झांसी, श्री कंछेदी सिंघई मड़ावरा, विद्यालय के अध्यक्ष वर्द्धमान जैन, प्रबंधक कमल कुमार जैन, मंत्री राजेश जैन, पंडित संतोष शास्त्री सौरई आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ पंडित संतोष शास्त्री सौरई के मंगलाचरण से हुआ। हेड ट्रस्टी डॉ सुनील सेठ भोपाल, ट्रस्टी सेठ सुधीर जैन झांसी, कंछेदी सिंघई मड़ावरा, विद्यालय के अध्यक्ष वर्द्धमान जैन, प्रबंधक कमल कुमार जैन, मंत्री राजेश जैन, पंडित संतोष शास्त्री सौरई, कोषाध्यक्ष दीपक जैन बन्दी, लेखा निरीक्षक डॉ शिखर चंद्र सिलोनिया, उपाध्यक्ष भजनलाल जैन, अधिष्ठाता रतनचंद जैन गौना, उप अधिष्ठाता गुलाब चंद बरचौन, उपमंत्री अनिल जैन बेसरा, प्रधानाचार्य राजेन्द्र जैन आदि प्रबंधकारिणी समिति ने शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की है।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया

श्रीमती तारा देवी

ध.प.स्व श्री रतन लाल छाबड़ा का आकस्मिक निधन 17-07-24 को हो गया है। तीये की बैठक 19-07-24 को प्रातः 8.00 बजे भट्टारक जी की नसियां नारायण सिंह सर्किल पर रखी गई है। बैठक के पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल

शांति देवी,पदम - कांता (देवर- देवरानी) कैलाश, अशोक- उर्मिला, भानु,राकेश- साधना ,अनिल (पुत्र- पुत्र वधू), वरुण, विनय (पौत्र), प्रेम लता, मदन लाल (बहन- बहनोई) विमला - विनोद , शोभा -शेखर , मंजू - अशोक (पुत्री- दामाद), रानू - अनुज , अदिति -दीपेश , अणिमा - प्रशांत , अपूर्वा - देवांश (पौत्री- दामाद), अमित - रानू, रोहित - साक्षी, गुंजन - मिलिंद, रुनझुन - प्रियेश (दोहिते- दोहिती), एवं छाबड़ा परिवार।

पीहर पक्ष : पदमा देवी, भाग चंद, कमल चंद, महावीर,ज्ञान चंद एवं पहाडिया परिवारं

तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज का वर्षायोग हेतु हुआ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

इस बार 10 दिन की जगह 100 दिन के 10 लक्षण पर्व होंगे प्रज्ञा सागर महाराज

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर तपोभूमि प्रणेता व्याख्यान वाचस्पति गुरु भक्त शिरोमणि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने बुधवार को 35 वे वर्षा योग के लिए नगर में ससंघ मंगल प्रवेश किया। सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से बुधवार सुबह 8 बजे सुनेल तिराहा पर आचार्य प्रज्ञा सागर संघ की अगवानी की। यहां से बैंड बाजों के साथ मुनि संघ का जुलूस निकाला गया। जिसमें सफेद वस्त्र में समाज के पुरुष एवं चुनरी पहने महिलाएं, नन्हे मुन्ने बालक बालिकाएं नृत्य करते चल रही थे। पूरे मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार व प्रत्येक चौराहे पर रंगोली सजाई गई। जानकारी देते हुए नलिन लुहाड़िया ने बताया की इस दौरान जगह जगह श्रावको ने आचार्य का पाद प्रक्षालन कर स्वागत किया। जुलूस मुख्य मार्ग से होता हुआ शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। मार्ग में जुलूस का भारत विकास परिषद अध्यक्ष पवन शर्मा, सचिव जगदीश गुप्ता, विजयमेहता , हेमंत भावसार, बालकिशनसेठिया, पवन सच्चर, सुरेंद्र डांगी, अंशु पोरवाल, देवेश काबरा, विजय मूदंडा, सुरेश चौरसिया, राम बल्लभ रावल, मोहित गुप्ता , राजस्थान पोरवाल महासभा अध्यक्ष सविता गुप्ता, पिंकीमेहता, प्रियंका सेठिया, कपड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष योगेश झड़िया, मुकेश मंत्री, भुवनेशमंत्री, टीकम खत्री, विशाल शर्मा, जगदीश गुप्ता, नेमीचंद माधवानी, सूर्य मंदिर पर पूर्व विधायक मोहनलाल राठौर , विजय सिंह राठौर, अशोक मेहता, नंदलाल राठौर, पदम राठौर, मांगीलाल शर्मा, भारत राठौर, बालचंद राठौर, दिनेश बगड़ावत, जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप चंद्रावती अध्यक्ष राकेश जैन, संस्थापक अध्यक्ष संजय बाफना, उपाध्यक्ष सौरभ जैन, राजू ओसवाल, रजनीश मारू, सचिव प्रिंस जैन, प्रचार सचिव अंकित जैन, चेयरमैन प्रमोद सकलेचा, अक्षय भंसाली, शुभम मेहता, संयम जैन, रितेश जैन ने पुष्प वर्षा और पाद प्रक्षालन कर स्वागत किया। मुनि श्री की अगवानी में नगर कांग्रेस अध्यक्ष चंद्र प्रकाश लाला राठौर, चंद्रावती ग्रोथ सेंटर अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजमोहन बैरवा, दिनेशकोठारी, शैलेंद्र पोरवाल, कैलाशयादव, अंतरिक्ष माथुर, प्रदीप तिवारी, शंकर रेगर, पंकज शर्मा, नितिन सेठी, विक्की शर्मा, जतिन राठौर, मुकेश खामोरा, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष महेश बटवानी, पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा, भानु खत्री, नितेश परमार, राजेंद्र शर्मा, भूपेंद्र जैन, मनीष चांदवाड, मीत सकलेचा, अनिल राठौर, भाजपा पिड़ावा मंडल अध्यक्ष कमल कासलीवाल भी शामिल थे। श्री महावीर तपोभूमि प्रणेता व्याख्यान वाचस्पति गुरु भक्त शिरोमणि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि यहां पर उनका पूरा चातुर्मास पर्यावरण को समर्पित रहेगा। शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बाड़ा में आचार्य ने उनके 35 वे वर्षा योग पर नगर आगमन के बाद आयोजित धर्म सभा में कहा कि झालरापाटन में इस बार 10 दिन की जगह उनके सानिध्य में 100 दिन के 10 लक्षण पर्व होंगे होंगे। जिसमें हर दिन समय, तप और पूजा पाठ होंगे जिससे श्रावको का पूरा चातुर्मास धर्म ध्यान को समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान दिगंबर और श्वेतांबर सहित समस्त जैन समाज एक होकर आदर्श प्रस्तुत करेगा। दोनों समाज मिलकर पहली बार 18 दिन के पर्यूषण पर्व मनाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लाने वाला कोई नहीं है वह यहां के श्रावकों के उद्धार के लिए आए हैं। लोगों को किस प्रकार लाभ मिल सके इसे लेकर वह चातुर्मास के दौरान पूरे 4 महीने का श्रावकों के बीच बाजार लगाकर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि श्रावक मुझसे अच्छाई ग्रहण करें और वह श्रावकों की बुराई को स्वयं लेंगे। वह शांतिनाथ भगवान को देखने वाले नहीं बल्कि उनका नियमित अभिषेक करने वाले श्रावक को पसंद करेंगे। आचार्य ने कहा कि भगवान ने सभी को एक मंच पर रहने का संदेश दिया है ना कि अलग-अलग रहने का। वे यहां पर व्यक्ति के सुख के लिए आए हैं। उनके यहां का चातुर्मास कार्यक्रम पर्यावरण को समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि चातुर्मास काल वास्तव में धर्म लूटने, धर्म साधना का काल है। इसमें आत्म कल्याण के लिए प्रयत्न करना चाहिए। गुरु सानिध्य में शिक्षा और तत्वज्ञान प्राप्त करना चाहिए जिससे आत्म हित सधे। यह संभव भी है, क्योंकि ज्ञानी तपस्वी एक ही स्थान पर चार माह तक ठहरते हैं और साधना करते हैं। श्रावक आसानी से गुरु का सानिध्य का सकता है। चातुर्मास मौज मस्ती का पर्व बिल्कुल नहीं है। यह समय केवल धर्म प्रभावना के लिए है। आत्मा आराधना तत्व ज्ञान के लिए है। उन्होंने कहा कि अब कल्पतरु पारसनाथ नसिया के कायाकल्प का समय आ गया है जहां पर समाज के सभी लोगों के सहयोग से आधुनिक और ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए वह गुरुवार को कल्पतरु पारसनाथ नसिया जाएंगे और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेंगे। शुक्रवार को मूडलिया खेड़ी तालाब के तट पर स्थित नागर पालिका की अवध वाटिका में 3500 पौधे लगवाकर अपने 35 वे चातुर्मास का शुभारंभ करेंगे। 20 जुलाई को शांतिनाथ बाडे में महिला एवं पुरुषों का सामूहिक मेहंदी कार्यक्रम होगा। प्रतिदिन शाम 7 बजे शांतिनाथ मंदिर में धर्म चर्चा होगी। इस मौके पर बालिकाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन की बोली भवानी मंडी निवासी राजेश नाहर, आचार्य के प्रथम पाद प्रक्षालन की बोली रतन देवी कागला परिवार ने ली। समाज के श्रेष्ठाओ ने बोली लेने वाले परिवार के सदस्यों का सम्मान किया। दूर-दूर से आए लोग। आचार्य के नगर में मंगल प्रवेश कार्यक्रम में इंदौर, उज्जैन, सुसनेर, पिडावा, कड़ोदिया, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, झालावाड़ तक के लोगों ने भाग लिया। संचालन व्यापार सेवा समिति अध्यक्ष यशोवर्धन बाकलीवाल ने किया।

जनकपूरी में पांच दिवसीय महोत्सव

मन्दिर स्थापना दिवस पर देव शास्त्र गुरु के साथ निकली भव्य रथ यात्रा

प्रतिष्ठा उसकी होती है जो स्वयं प्रतिष्ठित हो चुका हो : मुनि समत्व सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में पाँच दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को मुनि श्री 108 समत्व सागर जी ससंघ के सानिध्य में भव्य रथ यात्रा देव शास्त्र गुरु के साथ आयोजित हुई तथा नंदीश्वर भक्ति दीप अर्चना का आयोजन हुआ । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि मुनि श्री द्वारा उच्चारित अभिषेक व रिद्धि मंत्र युक्त शान्तिधारा करने का सौभाग्य सुभाष राजेश गर्ग परिवार को तथा बेदी पर शांतिधारा प. प्रभु लाल परिवार को मिला । इसके बाद पालकी में श्री जी को जयकारों के मध्य विराजित कर केसरिया धोती दुपट्टे में युवाओं द्वारा मुनि संघ के सानिध्य में आदिनाथ चैत्यालय ज्योति नगर ले जाया गया जहां से जनकपुरी के लिये भव्य रथ यात्रा शुरू हुई । रथ यात्रा में श्री जी को लेकर शुद्ध वस्त्रों में बैठने का सौभाग्य राजकुमार बाकलीवाल परिवार को , सारथी का प. प्रभु लाल परिवार को तथा कुबेर का जे के जैन परिवार को मिला। इधर रथ में श्री जी पर चंवर दुहरानें का सौभाग्य मास्टर पारस आदित बिलाला को व महावीर बिंदायक्या को मिला । रथ यात्रा का दृश्य बहुत ही भव्यता लिए भक्ति व जयकारो के साथ अलग ही धर्म मय माहोल बना रहा था । नगर भ्रमण पर निकले श्री जी के दर्शन को भक्तों का हुजूम साथ चल रहा था । केसरिया साड़ियो में महिलाओं की लम्बी कतार और उसके पीछे जन समूह के साथ मुनि संघ रथ के आगे आगे चल रहे थे । रास्ते में जगह जगह मुनि संघ का पाद प्रक्षालन व श्री जी की आरती उतारी गई । इमली फाटक से मुख्य बाजार होते हुए यात्रा मन्दिर जी पहुँची जहां झण्डा रोहण ज्ञान चन्द भोंच परिवार ने किया । इसके बाद धर्म सभा हुई जिसमे मंगलाचरण शकुन्तला बिंदायकया , सुनिता भोंच ने किया ,चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन का सोभाग्य दिगंबर जैन महासमिति के तथा धर्म जागृति संस्थान के पदाधिकारियों को मिला । बापू नगर के शांति लाल जी शाह परिवार ने शास्त्र भेंट किया । पाद प्रक्षालन आदि राजकुमार बाकलीवाल परिवार ने किया । मुनि श्री ने बताया कि प्रतिष्ठा उसी की होती है जो स्वयं प्रतिष्ठित होता है । अपनी प्रतिष्ठा अपने आचरण से बनती है । शाम को युवाओं को मुनि श्री ने संबोधन दिया ।

गांधी नगर क्लब में 21 जुलाई को शिलान्यास समारोह

तैयारियों को लेकर हुई बैठक,सौंपी जिम्मेदारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के नवीन भवन का भव्य शिलान्यास समारोह आगामी 20-21 जुलाई गांधी नगर क्लब में आयोजित होगा। इस आयोजन में राजस्थान सरकार के प्रमुख राजनेता, देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त विद्वान व विद्यालय के एक हजार के आसपास विद्यार्थी भाग लेंगे। इस आयोजन को भव्य बनाने लिए मीटिंग आज बापू नगर पंडित टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशीलकुमार गोदीका, महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल व डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल ने बताया कि बैठक में कार्यकताओं को आवास, यातायात, भोजन, पंडाल, मंच संबंधित विशेष जिम्मेदारियां दी गई, साथ ही गामी 20 व 21 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का प्रारूप निर्धारित किया गया, किस प्रकार कार्यक्रम को रोचक व आकर्षक बनाया जा सकता है इस पर विमर्श हुआ। अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में जुड़े इसके लिए आवश्यक योजनाएं बनाई ताकि हर व्यक्ति इस आयोजन की सहजता से लाभ ले सके।

सर्वधर्म संगोष्ठी में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव एवं जिनधर्म रक्षक के सदस्य तत्त्वम जैन ने किया जैनधर्म का प्रतिनिधित्व

कोई भी धर्म किसी भी धर्म के धार्मिक स्थल, गुरुओं, ग्रंथों, अनुयायियों को नुकसान न पहुंचाए बल्कि एक-दूसरे का सम्मान करें: डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव

नई दिल्ली। बहाई धर्म द्वारा दिल्ली के लोटस टेंपल में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना एवं विचार संगोष्ठी में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जैन प्रतिनिधि एवं 'जिनधर्म रक्षक' की संस्थापिका डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव एवं नौ वर्षीय बाल सदस्य तत्त्वम् जैन ने जैनधर्म ने प्रतिनिधित्व किया। ज्ञातव्य है कि आज से 40 वर्ष पूर्व दस महिलाओं ने बहाई धर्म के लिए अपने प्राणों की आहूति दी थी उनकी याद में सर्वधर्म प्रार्थना एवं 'हमारी कहानी एक है' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन लोटस टेंपल में किया गया था। इस आयोजन में जैन,हिन्दू ,मुस्लिम,सिख,पारसी, यहूदी, बहाई, आदि धर्म के प्रतिनिधियों ने प्रार्थनाएं पढ़ी एवं विचार अभिव्यक्त किए । डॉ. इन्दु जैन ने जैन प्रार्थना में णमोकार महामंत्र पढ़ा तथा वहां बताया कि सदियों से धर्मों पर अत्याचार होने की 'हम सभी की कहानी एक है' ।उन्होंने कहा कि आज भी भारत देश में जैन धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थल गिरनार, बद्रीनाथ, केदारनाथ आदि अनेक मंदिरों पर दूसरे धर्म के लोगों ने कब्जा कर रखा है यहां तक की सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि गिरनार पर्वत पर जैनधर्म के अनुयायी तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के चरण चिह्नों की पूजा-अर्चना कर सकते हैं किन्तु गिरनार पर्वत पर अवैध रूप से मंदिर निर्माण करने वालों ने , वहां की सरकार पर दवाब बनाकर, जैनधर्म के अनुयायियों को तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक के दिन भी पूजा नहीं करने दी और तो और कुछ वर्षों से जब भी जैन-धर्म के लोग गिरनार पर्वत पर दर्शन करने जाते हैं वहां अतिक्रमण किए हुए लोग उन्हें धमकाते हैं एवं कई बार तो जैन धर्मावलंबियों पर अतिक्रमणकारियों द्वारा जानलेवा हमला भी किया गया है किन्तु जैनधर्म पर अत्याचार करने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन और सरकार कोई कार्यवाही नहीं करती है। सिर्फ दो-तीन जैन मंदिर नहीं बल्कि अनेक ऐसे प्राचीन मंदिर हैं जहां तीर्थंकरों की प्रतिमाएं प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती हैं किन्तु वहां भी दूसरे धर्म के लोगों ने मूर्ति के स्वरूप को बदलकर अपना मंदिर कहकर कब्जा कर रखा है। जैनधर्म के गुरु-तीर्थों पर आए दिन परेशानियां आती रहती हैं तो जैसे किसी भी धर्म पर आंच आए तो जैन धर्म के लोग उस धर्म के लोगों का साथ देते हैं।

आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास व्यवस्था समिति सूरत द्वारा प्रकाशित व मेरे व मेरे सहयोगियों द्वारा संपादित 'सूरत शासन समाचार' ई-बुलेटिन की प्रिंट कॉपी सूरत के संयम नगर स्थित 'महावीर समवसरण' में बुधवार 17 जुलाई 2024 के प्रात :कालीन प्रवचन की सम्पन्नता पश्चात पूज्य गुरुदेव को प्रदान करने का सुअवसर मिला।

जैन मिलन महिला ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया, सभी सदस्यों को भेंट किए गए पौधे

अजय जैन. शाबाश इंडिया

मुरैना। जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550 निर्वाण महोत्सव के तहत जैन मिलन महिला मुरैना की मासिक मीटिंग व्यवस्था शाखा की अध्यक्ष वीरांगना सपना जैन के निवास स्थान पर आयोजित की गई। बैठक में सभी सदस्य पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक हरे वस्त्र पहन कर आई इस अवसर पर विश्व शांति जगत कल्याण की कामना के लिए भगवान आदिनाथ को समर्पित भक्तामर पाठ का वाचन किया गया एवं अपने दोषों की परमात्मा से क्षमा प्राप्ति के लिए आलोचना पाठ पढ़ा गया। इस अवसर पर भजन भक्ति व आरती भी की गई । आयोजन में पर्यावरण सुरक्षा हेतु एवं वातावरण को हरा भरा बनाए रखने के उद्देश्य सपना जैन द्वारा शाखा की सभी सदस्यों को गमले में लगे तुलसी व पीले फूलों के पौधे वितरित किए गए । इस दौरान वीरांगना सरिता जैन ने कहा कि हमें पर्यावरण में फैल रहे प्रदूषण को रोकने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके लिए लोगों में पौधे लगाने के प्रति जागरुकता लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें प्रति व्यक्ति एक पेड़ लगाने की दिशा में लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के बारे बताना होगा। बैठक में वीरांगना सपना जैन ने बताया कि हमें नीम और तुलसी का पेड़ अपने घरों में अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि नीम की पत्तियों से अनेक प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। वही तुलसी के पेड़ से सबसे अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है। जिसके चलते जीव जन्तु स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने कहा महिलाओं के द्वारा व्रत-त्योहार के अवसर पर व प्रतिदिन की क्रियाकलापों एवं पूजा अर्चना में अनेक प्रकार के वृक्षों, पीपल, तुलसी, आंवला, अशोक, बेल, शम्मी, नीम, आम आदि वृक्षों की पूजा अर्चना की जाती है। इस माध्यम से पर्यावरण को संरक्षण प्रदान किया जा सकता है। सपना जैन ने कहा कि हमें पेड़ पौधे तथा पशु पक्षी का भी संरक्षण करना चाहिए। कोषाध्यक्ष वीरांगना ऊषा जैन ने कहा कि पेड़ पौधे की कमी से आक्सीजन की कमी होती चली जाएगी। जिससे जीवन मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में पेड़ पौधे जीवन को बचाने में ही नहीं अपितु पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी अहम रोल अदा कर रहे हैं। अगर पेड़ पौधे कम हो जाएंगे तो पक्षियों का आश्रय स्थल कम होता चला जाएगा।